अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई

परीक्षा सत्र : नवम्बर/दिसम्बर 2018

परीक्षा का नाम : अलंकार प्रथम

विषय : तबला-पखावज (द्वितीय प्रश्नपत्र)

दि. 11/11/2018 समय : दोपहर 2 से 5 कुल अंक : 100

सूचनाएँ : (१) किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखे।
(२) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्र. 1. तीनताल अथवा चौताल में किसी भी दो घरानेदार बंदिशों को लिपिबध्द करे तथा उनकी विशेषताओं को समझाईये, रचनाकारों का सादर उल्लेख करे। **(10+10=20)**

प्र. 2. निम्नलिखित में से किसी चार संयुक्त वर्णो की निकास विधि लिखिये तथा पढंत और निकास मे अंतर स्पष्ट कीजिये : **(5+5+5+5=20)**

धुमकिट, धिलांऽग, तकिटत, काऽकिट, तक्का, थुंगा, धिरकिट।

प्र. 3. ''ध्रुपद और ख्याल'' इन गायनशैलियों की जानकारी दीजिये तथा साथ संगत के बारे में विस्तार से लिखे। इसमें प्रयुक्त होनेवाले तालों के ठेके को लिपिबध्द करे। **(10+10=20)**

प्र. 4. निम्नलिखित मे से किन्ही दो पर टिपण्णी लिखिये :

(1) मसीतखानी और रजाखानी गत। **(10+10=20)**

(2) धमार और ठुमरी।

(3) तबला और पखावज।

प्र. 5. 'स्वतंत्र तबला/पखावज वादन में पढंत की आवश्यकता एवं सौंदर्यतत्वों का महत्व'' इस विषय पर विस्तार से लिखिये। **(20)**

प्र. 6. निम्नलिखित मे से किसी एक विषयपर विस्तार से निबंध लिखिये।

(1) तबला / पखावज की बंदिशों की भाषा से निर्मित साहित्य। **(20)**

(2) वादक कलाकार का आदर्श।

(3) अवनध्द वाद्यों की परंपरा।

प्र. 7. निम्नलिखित में से किसी दो वादक कलाकारों का जीवन चरित्र लिखिये : **(10+10=20)**

(1) उ. जहांगीर खान।

(2) पं. चतुरलाल।

(3) पं. कुदऊसिंह।

(4) पं. नाना पानसे।